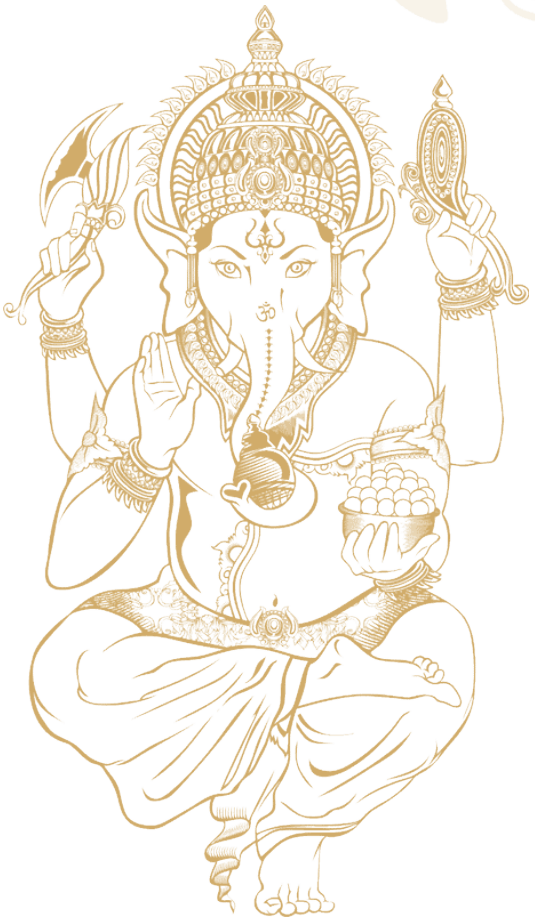

Madhu

05 Aug 1994

09:45 AM

Anjad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120941303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/08/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	09:13:35 घटी
स्थान	**Anjad**
देश	India

अक्षांश	22:02:00 उत्तर
रेखांश	75:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:15:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:01 घंटे
साम्पातिक काल	06:09:09 घंटे
सूर्योदय	06:03:34 घंटे
सूर्यास्त	19:07:39 घंटे
दिनमान	13:04:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	18:44:44 कर्क
लग्न के अंश	08:20:24 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वज्र
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	08:20:24	334:40:11	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	18:44:44	00:57:29	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	21:57:32	12:50:49	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृष	28:30:20	00:40:17	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध		अ	कर्क	10:05:51	02:02:32	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			तुला	12:39:31	00:05:43	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	03:38:28	01:03:47	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		कुंभ	17:11:17	00:03:42	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	26:28:26	00:09:30	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	26:28:26	00:09:30	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	29:49:57	00:02:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
नेप	व		धनु	27:36:43	00:01:29	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	01:29:32	00:00:01	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	08:19:04	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:08

लग्न-चलित

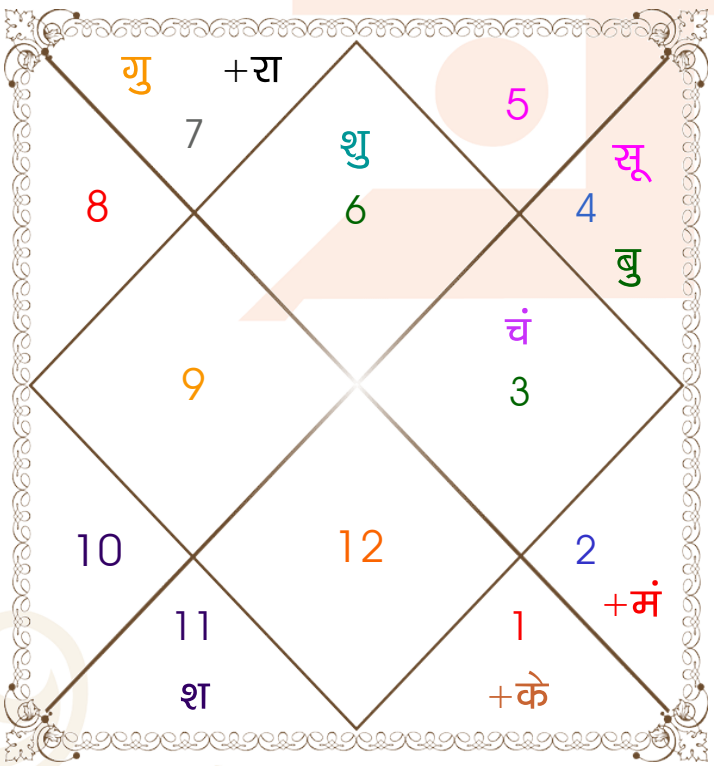

चन्द्र कुंडली

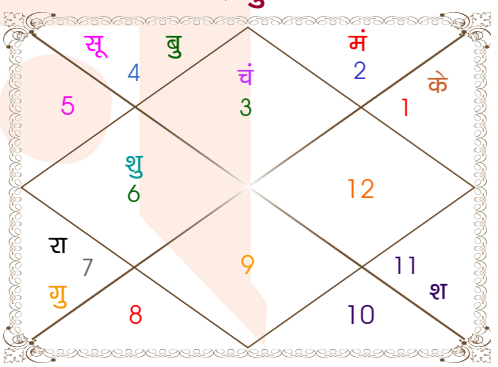

नवमांश कुंडली

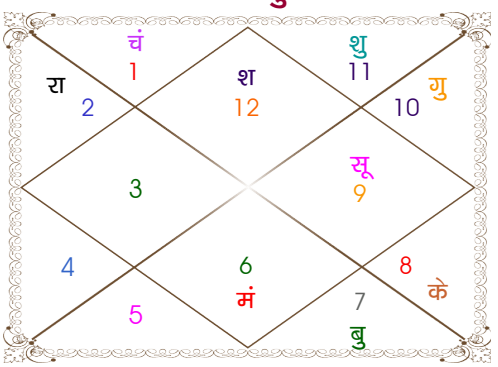

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 7 मास 24 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/08/1994		29/03/2008		30/03/2027		29/03/2044		30/03/2051	
29/03/2008		30/03/2027		29/03/2044		30/03/2051		30/03/2071	
	05/08/1994	शनि	02/04/2011	बुध	26/08/2029	केतु	25/08/2044	शुक्र	30/07/2054
शनि	28/11/1996	बुध	10/12/2013	केतु	23/08/2030	शुक्र	26/10/2045	सूर्य	30/07/2055
बुध	06/03/1999	केतु	19/01/2015	शुक्र	23/06/2033	सूर्य	02/03/2046	चंद्र	30/03/2057
केतु	10/02/2000	शुक्र	21/03/2018	सूर्य	29/04/2034	चंद्र	01/10/2046	मंगल	30/05/2058
शुक्र	11/10/2002	सूर्य	03/03/2019	चंद्र	29/09/2035	मंगल	28/02/2047	राहु	29/05/2061
सूर्य	30/07/2003	चंद्र	01/10/2020	मंगल	25/09/2036	राहु	17/03/2048	गुरु	28/01/2064
चंद्र	28/11/2004	मंगल	10/11/2021	राहु	14/04/2039	गुरु	21/02/2049	शनि	30/03/2067
मंगल	04/11/2005	राहु	16/09/2024	गुरु	20/07/2041	शनि	02/04/2050	बुध	28/01/2070
राहु	29/03/2008	गुरु	30/03/2027	शनि	29/03/2044	बुध	30/03/2051	केतु	30/03/2071

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/03/2071		30/03/2077		30/03/2087		30/03/2094		30/03/2112	
30/03/2077		30/03/2087		30/03/2094		30/03/2112		00/00/0000	
सूर्य	18/07/2071	चंद्र	28/01/2078	मंगल	26/08/2087	राहु	10/12/2096	गुरु	18/05/2114
चंद्र	16/01/2072	मंगल	29/08/2078	राहु	13/09/2088	गुरु	06/05/2099	शनि	06/08/2114
मंगल	23/05/2072	राहु	28/02/2080	गुरु	20/08/2089	शनि	13/03/2102		00/00/0000
राहु	17/04/2073	गुरु	29/06/2081	शनि	28/09/2090	बुध	29/09/2104		00/00/0000
गुरु	03/02/2074	शनि	28/01/2083	बुध	26/09/2091	केतु	17/10/2105		00/00/0000
शनि	16/01/2075	बुध	29/06/2084	केतु	22/02/2092	शुक्र	17/10/2108		00/00/0000
बुध	22/11/2075	केतु	28/01/2085	शुक्र	23/04/2093	सूर्य	11/09/2109		00/00/0000
केतु	29/03/2076	शुक्र	28/09/2086	सूर्य	29/08/2093	चंद्र	13/03/2111		00/00/0000
शुक्र	30/03/2077	सूर्य	30/03/2087	चंद्र	30/03/2094	मंगल	30/03/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 7 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते है और कार्य के पीछे पड़ जाते है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य ा है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।